वर्ष:- 06
अंक:- 30
मुरादाबाद
(Thursday)
21 May 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

PM मोदी से मेलोनी की मुलाकातः साथ में डिनर से लेकर कोलोसियम दर्शन

पांच देशों के दौरे के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने डिनर के दौरान वैश्विक और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने मुलाकात की खास तस्वीरें साझा करते हुए भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की उम्मीद जताई।- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली के दौरे पर रोम पहुंचने के बाद पीएम जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने बताया कि

दोनों नेताओं ने डिनर के दौरान कई अहम वैश्विक और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।इसके बाद दोनों नेताओं ने रोम के ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित कोलोसियम का भी दौरा किया। इससे पहले मोदी के रोम पहुंचने पर मेलोनी ने सोशल मीडिया पर उनका स्वागत करते हुए लिखा

कि रोम में आपका स्वागत है मेरे दोस्त। पीएम मोदी ने क्या कहा?- पीएम मोदी ने कहा कि भारत-इटली संबंधों को और मजबूत बनाने को लेकर आज होने वाली औपचारिक वार्ता को लेकर वह उत्साहित हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, निवेश और सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय संगीत इटली में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। रोम में भारतीय समुदाय के स्वागत कार्यक्रम के दौरान पांच इतालवी कलाकारों ने राग हंसध्वनि की प्रस्तुति दी। पीएम मोदी ने कलाकारोंलेरियो ब्रूनी, लियो वर्ट्ुननी, सिमोन मैटिएलो, फ्रांसेस्को घेरार्डी और निकोलो मेलोची की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। पीएम मोदी बोले- दुनिया में बढ़ रहा भारतीय शास्त्रीय नृत्य का आकर्षण- प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य की वैश्विक लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने बताया कि भारतीय नृत्य के प्रति समर्पित पांच इटालियन कलाकारों स्वामिनी आत्मानंद गिरि, सुश्री मार्टिना मीनाक्षी अरगाडा, सुश्री ल्यूक्रेजिया मैनीस्कोटी, सुश्री वेलेरिया वेस्पाजियानी और सुश्री रोजेला फेनेली ने %ट्रिगलबंदी% की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम और कथक जैसी भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों का सुंदर संगम देखने को मिला। पीएम ने कहा कि दुनिया भर में भारतीय संस्कृति और कला के प्रति बढ़ता आकर्षण बेहद अद्भुत है।पीएम ने भारतीय समुदाय का जताया आभार- प्रधानमंत्री ने इटली में बसे भारतीय समुदाय का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि रोम पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी ने भारतीय प्रवासियों की सराहना करते हुए कहा कि उनका भारत के प्रति गहरा लगाव और भारत-इटली संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता बेहद सराहनीय है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में भारतीय प्रवासी समुदाय लगातार देश का नाम रोशन कर रहा है।

भारत और इटली के बीच का द्विपक्षीय व्यापार- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे पहले जून 2024 में ग्रुप ऑफ सेवन (G7) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इटली गए थे। अब उनका यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देश संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 को सक्रिय रूप से लागू कर रहे हैं। इस व्यापक रोडमैप के तहत व्यापार, निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संपर्क जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 2025 में भारत-इटली द्विपक्षीय व्यापार 16.77 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। वहीं अप्रैल 2000 से सितंबर 2025 के बीच इटली से भारत में 3.66 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (स्नष्ठढ्ढ) दर्ज किया गया। दोनों देश रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

शरद पवार ने जमकर की पीएम मोदी की तारीफ, बोले- वे भारत का मान बढ़ाने में जुटे

एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए शरद पवार ने कहा कि पीएम मोदी वैश्विक स्तर पर भारत का मान-सम्मान बढ़ाने का काम कर रहे हैं। एनसीपी (एसपी) नेता शरद पवार ने एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। ा इंदिरा गांधी, पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने भी हमेशा देश के भविष्य और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।एनसीपी एसपी प्रमुख ने कहा, %राजनीतिक मतभेद भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा के आड़े नहीं आने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी विदेशों में देश के सम्मान को बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। हमारी राजनीतिक सोच अलग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रहित सबसे ऊपर होना चाहिए।% राज्यसभा सदस्य शरद पवार ने पुणे स्थित लक्ष्मणराव गुट्टे ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा आयोजित पूर्व पदाधिकारियों के सम्मान समारोह के दौरान अपने संबोधन में ये बातें कही।अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों को याद करते हुए शरद पवार ने बताया कि वर्ष 1958 में 18 साल की उम्र में वे बारामती से पुणे आए थे, क्योंकि उस समय उनके गृह नगर में कॉलेज नहीं था।

संविधान की प्रति लेकर राहुल बोले- RSS और प्रधानमंत्री इसे फाड़ने की कोशिश कर रहे

■ राहुल गांधी ने पीएम मोदी को कहे आपत्तिजनक शब्द , भाजपा नेता बोले- पिछड़ों को गाली देना उनकी आदत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आर्थिक तूफान के कारण भयंकर महंगाई आने वाली है। गैस, डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ेंगे। खाद नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश को अमेरिका को बेच दिया है। उन्होंने सामने बैठे लोगों से कहा कि आप सब ताली बजा रहे हैं... लेकिन जब आरएसएस के सदस्य आपके सामने संविधान को फाड़कर फेंक देते हैं, तो आप चुप रहते हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि इस संविधान में आपकी आवाज और आपका खून है। इसकी रक्षा करना और इसे बचाना आपका कर्तव्य और आपकी जिम्मेदारी है। रायबरेली में सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री पर संविधान कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने संविधान को देश की आत्मा बताया और आर्थिक स्थिति पर चिंता जताई। साथ ही सामाजिक न्याय, पिछड़ों के अधिकार और पार्टी नेताओं के परिवारों के प्रति समर्थन का संदेश दिया।रायबरेली के लोधवारी में सांसद राहुल गांधी ने वीरा पासी की प्रतिमा का लोकार्पण किया। बहुजन स्वाभिमान सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने संविधान की एक प्रति हाथ में लेकर कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री और आरएसएस इसे फाड़ने और फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस ने तो इसे पहले ही फाड़ दिया हैरायबरेली के लोधवारी में सांसद राहुल गांधी ने वीरा पासी की प्रतिमा का लोकार्पण किया। बहुजन स्वाभिमान सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने संविधान की एक प्रति हाथ में लेकर कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री और आरएसएस इसे फाड़ने और फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस ने तो इसे पहले ही फाड़ दिया हैराहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान की किताब सिर्फ कागज का पन्ना नहीं है, बल्कि इसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और वीरा पासी जैसे अनगिनत लोगों का खून और पसीना मिला हुआ है, जिन्होंने इसे बनाने में अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान देश की आत्मा है और इसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।राहुल गांधी ने देश की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि देश में एक बड़ा आर्थिक तूफान आने वाला है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर देश के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। प्रति विरोध को धार देने का प्रयास किया। वीरा पासी जैसी ऐतिहासिक हस्तियों को याद करके उन्होंने सामाजिक न्याय और पिछड़ों के अधिकारों के एजेंडे को भी रेखांकित किया।नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बुधवार को कांग्रेस के दिवंगत पूर्व जिला अध्यक्ष योगेंद्र मिश्र के आवास पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और परिवार को ढांढस बंधाया। राहुल गांधी ने कहा कि योगेंद्र मिश्र कांग्रेस परिवार के समर्पित और कर्मठ सदस्य थे। उनके निधन से पार्टी को बड़ी क्षति हुई है। उन्होंने परिजनों से कहा कि यह दुख केवल परिवार का नहीं, बल्कि पूरे कांग्रेस परिवार का है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी हर परिस्थिति में परिवार के साथ खड़ी रहेगी। इस दौरान अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया। मौके पर मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ता भी भावुक नजर आए। राहुल गांधी ने कुछ देर परिजनों से बातचीत की और दिवंगत नेता के योगदान को याद किया।गौरीगंज क्षेत्र के तेजी का पुरवा स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। सम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की रक्षा संविधान करता है और पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लगातार संविधान पर हमला किया है। राहुल गांधी ने कहा, उनका काम अर्थव्यवस्था की रक्षा करना है, उनका काम देश की रक्षा करना है, लेकिन पिछले 12 साल में उन्होंने क्या किया? उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस से जुड़े लोगों को विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर बनाया जा रहा है और देश की संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने उद्योगपतियों का जिक्र करते हुए कहा कि अब गौतम अडानी और मुकेश अंबानी इस देश को नहीं बचा सकते। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा, टॉफी बांटना बंद करो और किसानों को खाद उपलब्ध कराओ। उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी आज भी करोड़ों रुपये का तेल विदेशों में एक्सपोर्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी संविधान पर हमला है और अडानी-अंबानी को देश का धन देना भी संविधान पर आक्रमण है। उन्होंने कहा, संविधान हिंदुस्तान की आवाज है। अपने भाषण में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर भी तीखा हमला बोला। तेजी का पुरवा स्थित कार्यक्रम स्थल पर मौजूद कार्यकर्ताओं में राहुल गांधी के संबोधन को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। उन्होंने अमेठी से अपने पुराने रिश्ते का जिक्र करते हुए कहा, अमेठी मेरी कर्मभूमि है। मेरे पिता, माता और बहन सभी को अमेठी ने प्यार दिया है। दिल से मैं आपका धन्यवाद करता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि अगली बार वह अमेठी आएंगे तो अपनी बहन प्रियंका गांधी को भी साथ लेकर आएंगे।

हाथ मत लगाना, इतनी हिम्मत नहीं तुम्हारी, महिला थानाध्यक्ष के छूते ही भड़कीं सांसद इकरा हसन;वीडियो वायरल

कैराना सांसद इकरा हसन ने सहारनपुर में पुलिस कार्रवाई के खिलाफ कोतवाली सदर बाजार में धरना दिया। महिला दरोगा के छूने पर नाराजगी जताई और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई।सपा सांसद इकरा हसन ने मंगलवार को सहारनपुर में पुलिस कार्रवाई के खिलाफ कोतवाली सदर बाजार में धरना दिया। सपा कार्यकर्ताओं को जेल भेजे जाने से नाराज सांसद ने पुलिस पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया और कहा कि जब तक सभी कार्यकर्ताओं को रिहा नहीं किया जाएगा, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने के दौरान उनकी पुलिस अधिकारियों से तीखी नोकझोंक भी हुई। इसी बीच महिला थाना

प्रभारी के छूने पर सांसद नाराज हो गईं और कहा, 卐हाथ मत लगाइए, इतनी हिम्मत नहीं है आपकी। डीआईजी से मिलने पहुंचीं थीं सांसद कैराना सांसद इकरा हसन शामली के जसाला गांव में मोनू कश्यप की मौत के मामले में मृतक की मां को लेकर पुलिस उप महानिरीक्षक से मिलने पहुंची थीं। महिला ने अपने बेटे की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की थी। सांसद का आरोप है कि पुलिस उप महानिरीक्षक ने उनकी बात तो सुनी, लेकिन इसके बाद कुछ ऐसी बात कही जिससे पीड़िता रोते हुए कार्यालय से बाहर निकल गई। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई। हिरासत के बाद भड़का विवाद- सांसद के अनुसार पुलिस ने यातायात व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में उन्हें हिरासत में लेकर महिला थाना ले जाया गया। वहां उन्हें करीब दस मिनट तक बैठाकर रखा गया और बाद में छोड़ दिया गया। कुछ देर बाद पुलिस ने सपा के पूर्व राज्यमंत्री मांगेराम कश्यप, कश्यप एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय मेहरा, प्रदेश अध्यक्ष अनुज कश्यप, शीशपाल कश्यप और सत्यपाल कश्यप समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। इसकी जानकारी मिलने पर सांसद कोतवाली सदर बाजार पहुंचीं और धरने पर बैठ गईं। पुलिस अधिकारियों से तीखी नोकझोंक- धरने के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर व्योम बिंदल ने सांसद से बातचीत कर मामला शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन सांसद ने कहा कि जब तक सभी छह लोगों को रिहा नहीं किया जाता, धरना जारी रहेगा। उन्होंने अधिकारियों पर आम लोगों की शिकायतें न सुनने का आरोप लगाया और कहा कि अधिकारियों की इंसानियत मर चुकी है।महिला थाना प्रभारी से नाराज हुईं सांसद- महिला थाने में थाना प्रभारी ने सांसद से पानी के लिए पूछा, लेकिन सांसद ने कहा कि मैं यहां पानी पीने नहीं आई हूं। इसके बाद जब थाना प्रभारी ने बाहर आते समय उनकी पीठ पर हाथ रखा तो सांसद नाराज हो गईं और कहा हाथ मत लगाना, इतनी हिम्मत नहीं है तुम्हारी। अभी लगाया तुमने हाथ। काफी देर तक सांसद पुलिस अधिकारी पर भड़कती रहीं। पुलिस ने हटाकर यातायात व्यवस्था सामान्य कराई। मामले में कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय Editorial

The issue: America, China, and geopolitical connotations... The outcome could directly shape India's strategic future.

The discussion about who gained what from the meeting between Donald Trump and Xi Jinping will continue in the coming days. However, it is certain that it points to the shifting balance of global geopolitics. US President Donald Trump's visit to Beijing will likely be remembered less as a display of American power, but more as a turning point in the changing balance of global politics, the consequences of which could directly shape India's strategic future. Trump appeared eager to persuade Chinese President Xi Jinping to help stabilize the Strait of Hormuz and reduce tensions in West Asia. However, China refrained from making any commitments beyond general appeals for stability. Both countries agreed that the Strait of Hormuz should remain open and that Iran should never possess nuclear weapons. The two countries agreed to establish a new trade monitoring board, which will remove trade barriers between the two countries. China has agreed to increase supplies of rare earth minerals to the United States, exports of which it had imposed restrictions in response to heavy tariffs that had caused the US problems. China will make significant purchases of Boeing aircraft and energy products, in addition to American soybeans and agricultural products. Despite the optimistic tone of the meeting, there was no significant breakthrough on the Taiwan issue. Xi reiterated that Taiwan remains a core issue in bilateral relations and warned that improper handling of the issue could lead to conflict. Trump's decision not to express any opposition further fueled regional perceptions that Washington may be softening its stance toward Beijing. However, the structural rivalry between the two countries remains. For India, the outcome of the Trump-Xi talks will have direct strategic, economic, and geopolitical consequences. New Delhi benefited from the rivalry between Washington and Beijing. This led to a surge in defense cooperation, technology partnerships, capital investment, semiconductor investments, and deeper geopolitical coordination between India and the United States. But a broader alignment between the US and China could diminish India's centrality in Washington's Indo-Pacific equation. If US companies and policymakers begin to reinvigorate their economic ties with Beijing, India's benefits from the China Plus One strategy could be weakened. Reports suggest that Washington has granted several Chinese companies limited access to Nvidia's advanced H200 AI chips. Such decisions directly impact India's ambitions to emerge as a global technology, semiconductor, and artificial intelligence hub. Both sides described the talks as constructive. While Trump called the meeting extremely positive, Xi emphasized that China and the US should remain "partners, not rivals." Trump may claim diplomatic progress, but Xi may have achieved a greater strategic victory.

Machines cannot acquire the qualities of greatness: The real opportunity lies not in making robots champions if the opponent is a robot...

A robot may defeat you, but it cannot achieve the qualities that make an athlete great. Recently, shocking news emerged: a robot surpassed the human world record for running a marathon. Around the same time, an AI-enabled robot defeated a top human player in table tennis. Although the robot lacked human experience, it compensated for its shortcomings by providing extremely fast and consistently accurate responses. These events signal a major shift. For the first time, it feels like machines have entered one of humans' most specialized fields: sports. In fact, the goal of sports robotics is not to compete, but to understand how machines learn to function in an environment that is constantly changing and unpredictable. It is also important to understand what impact this might have on human performance. How are robots taught to play sports? The method of training robots is completely different from that of humans. Humans learn through practice, coaching, and experience. They constantly adapt to changing circumstances. Robots, on the other hand, are taught through simulation, data, and control algorithms. Robots learn how to recognize objects, anticipate their movements, and coordinate different body movements. By recording the movements of human athletes, robots are taught similar movements. These robots can also be used to better train human athletes. A major challenge in the sports world is creating a practice plan that is both effective and balanced. Athletes need repeated practice to hone their skills, and they also need to face situations that mimic real competition. If practice becomes too repetitive, it becomes predictable; and if there is too much variety, it becomes scattered and disorganized. Striking a balance is essential. Robotics offers a robust and practical way to develop balance. A robotic training partner can replicate a single action repeatedly, with extreme speed and precision, and even add controlled variations. For example, a robotic tennis server can precisely mimic the speed and power of a world-class player, while also systematically altering the ball's speed, direction, and landing point. This provides the player with a new, yet controlled, challenging experience each time. In sports science, this is called a "surrogate learning environment," where practice replicates real-match conditions (seeing, understanding, and making quick decisions). Creating such an environment is difficult for traditional coaches, but robotics makes it easy and effective. This raises the question: will robots ever become "great players"? Indeed, it is believed that in the next ten years, robots will become even more agile, powerful, and capable of performing in challenging conditions. Tasks that are challenging for them today (such as balancing on uneven ground or catching and throwing a ball with precision) will gradually become easier. However, robots will continue to have some fundamental limitations. Mastering a sport isn't just about technical precision. It's a combination of creativity, the ability to make the right decisions under pressure, and the ability to adapt to changing circumstances. A true athlete is one who performs in harmony with experience, emotions, and circumstances. Robots can be made adept at a particular task (sport), but they can't experience the same level of coordination as humans. This is why, while robots can surpass humans in certain areas, they won't be able to become "great." Thus, instead of replacing athletes, robots can become a vital part of the sporting environment. The real opportunity lies not in creating robot champions, but in better understanding human performance and elevating athletes to new heights. Pika AI - A modern generative video platform that transforms text, images, and short video clips into engaging animated videos. It uses artificial intelligence and diffusion modeling technology to create high-quality videos. It allows you to control characters, styles, camera movement, and visual effects, making videos appear more realistic and professional. It's extremely useful for content creators, education, and social media. It allows you to create engaging and impactful videos in a short time.

The Prime Minister's Appeal and Cycling: The Country Needs Fundamental Changes Beyond Symbolism

Despite being the second-largest bicycle producer globally, cycling in India remains extremely risky due to a lack of safe infrastructure and car-centric urban policies. A sustainable future requires concrete policy changes and a shift in social attitudes. Following Prime Minister Narendra Modi's appeal to citizens to save petrol and diesel, the scenes that unfolded in many parts of the country were undoubtedly inspiring. Judges, senior IAS and IPS officers, public representatives, and police officers were seen abandoning their security convoys and official vehicles and commuting to office on bicycles. This action by those at the top of the system was a positive sign that issues like energy conservation and the environment are no longer limited to mere speeches but are being reflected in practice. However, behind these encouraging images lies a deeper and uncomfortable truth. The question naturally arises: is this change permanent or merely a symbolic display for a few days? Lack of urban infrastructure and the risks posed to cyclists – will cycling become a part of our urban lives, or will it fade away like other movements over time? The problem isn't a lack of intentions, but rather the very structure of our cities, which doesn't even accommodate a simple and environmentally friendly means of transport like the bicycle. In a country like India, which is among the world's leading bicycle producers, cycling remains a risky experience. India's dominance in bicycle production – The apparent contradiction surrounding bicycles in India is nothing short of a profound irony. Industrially, India is a major and unstoppable powerhouse of bicycle manufacturing on the global stage. India is the second-largest bicycle producer in the world, after China. The country's major industrial centers, especially Ludhiana in Punjab, produce a record 15 to 18 million bicycles annually. Our bicycle industry is constantly modernizing. Today, everything from simple bicycles to premium sports bicycles with gears and eco-friendly e-bikes is being manufactured domestically on a large scale.

Global Presence and Export of Indian Bicycles

Indian bicycles are popular not only within the country but globally. India exports over 1 million bicycles and their components to over 100 countries annually. Major importers of bicycles from India include developed European countries like the United States, Britain, Germany, France, the Netherlands, and Italy, where there is a strong demand for Indian bicycles and eco-friendly e-bikes. Countries on the African continent, such as Nigeria, Kenya, Ghana, and neighboring Bangladesh and Sri Lanka, are also major buyers of Indian bicycles. A strange irony: we are renowned globally, yet marginalized among our own people. We are second to none in manufacturing and quality, yet the irony is that the country whose bicycles are circulating worldwide lacks safe cycling spaces in its own cities. The average Indian citizen, who wants to adopt cycling for health, environmental, or economic reasons, feels unsafe and neglected on the roads. The mindset of considering cycling as a "vehicle for the poor" has virtually excluded it from urban planning. Car-centric roads and cyclist insecurity: Today, the roads in most Indian cities are designed solely for motor vehicles. The increasing number of cars and motorcycles has congested the roads to such an extent that there is no safe space for cycling. Cyclists are completely vulnerable amidst heavy and high-speed vehicles. They are often seen as an obstacle on the road, further undermining their confidence. Even where cycle tracks have been built, their condition is poor. In many places, these tracks have fallen victim to encroachment. Incomplete cycle tracks and the impact of encroachment: Some have been converted into parking lots, while others are incomplete and inconsistently constructed. Some tracks end abruptly, exposing cyclists directly to fast-moving traffic. Such haphazard planning increases the dangers for cyclists rather than protecting them. The increasing risk of road accidents further aggravates this problem. Every year, a large number of pedestrians and cyclists become victims of road accidents in the country. This is why the middle class and working youth, despite their desire, are unable to incorporate cycling into their daily lives. Parents are afraid to send their children to school by bicycle, knowing that safety on the roads is uncertain. Flawed Urban Policy and Europe's Successful Model India's urban policy has long been car-centric. Solutions to the traffic problem have been sought in widening roads, building flyovers, and expressways. But this thinking is fundamentally flawed. The more roads are built, the more vehicles are on the roads, and ultimately, the problem persists. It is often argued that a bicycle-based model cannot be implemented in India due to its climate and population. But this argument is completely unfounded. Many European countries also faced the same problem at one time. He introduced policy changes, imposed controls on cars, and Safe infrastructure has been created for cycling. Today, cycling is not just a means of transportation, but has become a part of life. Safe infrastructure and connectivity with public transport are not impossible solutions for India, but require long-term vision and concrete policy interventions. First, cycle tracks must be truly safe and useful, not just for show. They must be physically separated from the main road, so that cyclists can travel without fear. Second, cycling must be integrated with public transport. Cycle facilities should be developed at metro stations, bus terminals, and railway stations, so that people can easily complete the first and last leg of their journey by bicycle. Third, urban planning priorities must change. Citizens should have the primary right to use the roads, not just vehicles. Until this mindset changes, a means of transport like cycling will not find its rightful place. A shift in social attitudes and future challenges – Along with this, a shift in social attitudes is also necessary. Instead of considering the bicycle a "symbol of poverty," it must be accepted as a "smart and responsible choice." Corporate and private institutions should also take initiatives in this direction. Employees commuting by bicycle should be provided incentives and facilities. Cycling should not be seen merely as a symbol or a temporary campaign. It is an important tool to make our cities healthier, cleaner, and sustainable. The Prime Minister's appeal has made a positive beginning, but this beginning will only be meaningful if it is combined with concrete policies, safe infrastructure, and social change. Otherwise, this initiative will remain limited to pictures and headlines for a few days. The biggest question then will be: do we really want change or are we content with merely pretending to change?

तालाब बना मौत का गड्ढा: मुरादाबाद में मिट्टी खोदते समय ढांग धंसी, दो महिलाओं की जान गई, तीसरी की हालत गंभीर

बिलारी के समाथल गांव में तालाब से पीली मिट्टी खोदते समय ढांग गिरने से तीन महिलाएं दब गईं। हादसे में दो महिलाओं की मौत जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

मुरादाबाद के बिलारी थाना क्षेत्र के समाथल गांव में बुधवार सुबह तालाब में पीली मिट्टी खोद रही तीन महिलाएं अचानक ढांग भरभराकर गिरने से मलबे में दब गईं।

हादसा इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद ग्रामीणों के होश उड़ गए।आनन-फानन महिलाओं को बाहर निकालकर एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलारी पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने दो महिलाओं को मृत घोषित कर दिया। हादसे में मालदेई (40) पत्नी बृजपाल मौर्य और सुनीता (35) पत्नी श्रीराम कश्यप की मौत हो गई। रामबती (40) पत्नी छत्रपाल मौर्य गंभीर हालत में जिंदगी और मौत से जूझ रही है। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की खबर फैलते ही सीएचसी बिलारी में ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।ग्रामीणों के मुताबिक महिलाएं अपने घरों की लिपाई-पुताई के लिए तालाब से पीली मिट्टी निकालने गई थीं। इसी दौरान अचानक तालाब की ढांग दरक गई और तीनों महिलाएं नीचे दब गईं। लोगों ने शोर सुनकर मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद महिलाओं को बाहर निकाला।समाथल गांव के पूर्व प्रधान वीरसिंह यादव ने बताया कि गांव की महिलाएं वर्षों से इसी तालाब से पीली मिट्टी खोदती चली आ रही हैं। थाना बिलारी पुलिस भी सीएचसी पहुंच गई और मामले की जानकारी जुटाने में लगी है।

लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर सेवानिवृत्त सीओ ने दी जान, छह माह पहले पत्नी की मौत होने से थे आहत

छजलैट में सेवानिवृत्त सीओ लखपत सिंह ने अपनी लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। छह माह पहले उनकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी।

इसके बाद से वह परेशान चल रहे थे।छजलैट के रमपुरा गांव में सोमवार की रात किसी समय सेवानिवृत्त सीओ लखपत सिंह (89) ने अपनी लाइसेंसी राइफल से ठोड़ी के पास गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार की सुबह उनका शव घर में ही बेड पर पड़ा मिला और सीने पर राइफल रखी थी।बेटे ने भी लिखित में पुलिस को दिया है कि उनके पिता ने आत्महत्या की है। बताया जा रहा है कि करीब छह माह पहले सेवानिवृत्त सीओ की पत्नी विद्या देवी की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद से वह परेशान चल रहे थे। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि छजलैट के रमपुरा निवासी लखपत सिंह वर्ष 1995 में पुलिस विभाग से सीओ पद से सेवानिवृत्त हुए थे।इसके बाद से वह रमपुरा में ही रह रहे थे। लखपत सिंह की तीन बेटियां और दो बेटे हैं। दो बेटियों की शादी मेरठ और एक की हरिद्वार में हुई है। बड़े बेटे सतवीर सिंह निजी टेलीकॉम कंपनी में मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। वह परिवार के साथ गांव में ही रहते हैं, जबकि छोटे बेटे जगवीर सिंह पीडब्ल्यूडी से इंजीनियर पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।वह परिवार के साथ बाहर रहते हैं। दो मंजिला मकान के भूतल पर बड़े बेटे सतवीर सिंह परिवार के साथ रहते हैं, जबकि ऊपरी मंजिल पर बने मकान में सेवानिवृत्त सीओ लखपत सिंह रहते थे। सोमवार की रात खाना खाने के बाद लखपत सिंह सोने के लिए अपने कमरे में चले गए थे।

रोजाना वह चार बजे जाग जाते थे लेकिन मंगलवार की सुबह वह नहीं जागे। इसके बाद बेटे व परिवार के अन्य लोगों ने ऊपर जाकर देखा तो वह कमरे में बेड पर खून से लथपथ हालत में पड़े थे। उनकी लाइसेंसी राइफल भी उनके सीने पर पड़ी थी।

सूचना मिलने पर छजलैट थानाध्यक्ष रमेश सहरावत फोर्स के साथ पहुंचे। कुछ देर के बाद फोरेंसिक टीम भी आ गई। टीम ने घटनास्थल पर मौके की स्थिति का जायजा लिया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि बेटे ने लिखित में दिया है कि उनके पिता ने आत्महत्या की है। करीब छह माह पहले उनकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद से वह परेशान थे।

महिला अस्पताल में बच्चा चोरी का शोर, दो आरोपी पुलिस को सौंपे, नवजात को उठा चल दिया था युवक

महिला अस्पताल में बच्चा चोरी की आशंका से हड़कंप मच गया। सुरक्षा कर्मियों ने एक युवक को नवजात बच्ची को गोद में लेकर जाते हुए पकड़ लिया जबकि एक संदिग्ध महिला को भी वार्ड के बाहर से हिरासत में लिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला अस्पताल में मंगलवार को बच्चा चोरी का शोर मचा। सुरक्षा कर्मियों ने एक आरोपी को नवजात बच्ची को गोद में लिए मौके पर पकड़ा। दूसरी आरोपी महिला को वार्ड के बाहर से पकड़कर दोनों को पुलिस के हवाले किया गया। आरोप है कि युवक एमसीएच विंग की दूसरी मंजिल पर वार्ड में भर्ती महिला के बच्ची को उठाकर चल दिया।तभी महिला का शोर सुनकर सुरक्षा कर्मी पहुंच गए और उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया। उसके पास कोई आईडी कार्ड भी नहीं मिला। सुरक्षा कर्मियों ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस बुला ली। पुलिस कर्मियों ने सख्ती से पूछताछ की तो आरोपी युवक ने अपना नाम जव्वाद और पता मुगलपुरा बताया।उसने कहा कि वह नए जन्मे बच्चों के कान में अजान देने अस्पताल में आता है। जबकि जिस बच्ची को वह उठाकर ले जा रहा था, उसके पिता इरशाद अली का कहना था कि वह उस व्यक्ति को जानते तक नहीं हैं। अस्पताल में किसी ने उसे अजान देने के लिए नहीं बुलाया।

इरशाद ने कहा कि उनकी पत्नी फरजाना ने कल ही बच्ची को जन्म दिया है। वह पोस्ट डिलीवरी वार्ड में दूसरी मंजिल पर भर्ती हैं। आरोपी बिना किसी से अनुमति लिए वार्ड के अंदर पहुंच गया और बच्ची को उठा लिया। नवजात बच्ची के पिता के बयान पर पुलिस उसे सिविल लाइंस थाने ले गई।सिविल लाइंस थाना प्रभारी के मुताबिक जांच में पाया गया कि युवक कुछ रुपयों के लालच में अस्पतालों में जाकर बच्चों के कान में अजान देता है। शहर में ही उसका परिवार रहता है। जांच के बाद उसे छोड़ दिया गया। वहीं अस्पताल की दूसरी मंजिल से ही एक और महिला आरोपी को सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ा। महिला का कोई परिजन अस्पताल में भर्ती नहीं था। वह उस वार्ड के बाहर बैठी थी, जहां नवजात और प्रसूता महिलाएं भर्ती किए जाते हैं। सुरक्षा कर्मियों के सवालों का वह जवाब नहीं दे पाई। उस महिला को भी पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के मुताबिक उसके पास से जो दस्तावेज बरामद हुए, उसमें पता अमरोहा लिखा है। उस महिला को भी पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। हमें शिकायत मिली है कि अस्पताल में बच्चा चोरी की नीयत से एक युवक ने प्रसूता के पास से नवजात को उठाया और जाने लगा। जबकि महिला आरोपी भी उसी मकसद से वहां बैठी थी। सुरक्षाकर्मियों ने दोनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। वार्ड में भर्ती प्रसूता महिलाओं को भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है। - डॉ. रनवीर सिंह, सीएमएस

यूपी में बड़ा हादसा: हाईवे पर अज्ञात वाहन में घुसी कार, चालक समेत चार युवकों की मौत; दो युवक घायल

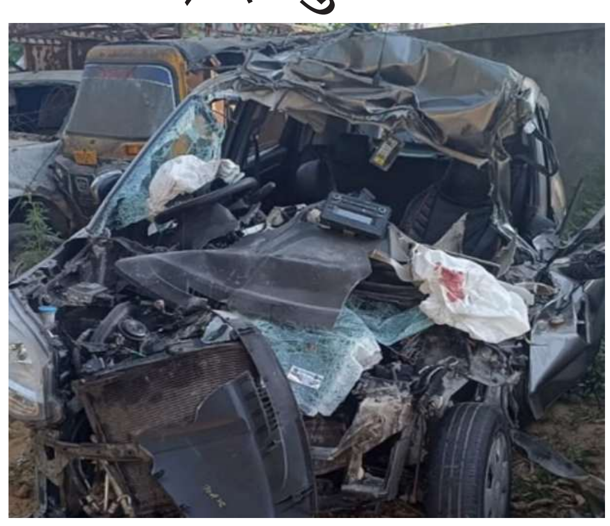

यूपी में बड़ा हादसा हुआ है। अमरोहा का गजरौला में एक कार आगे चल रहे अज्ञात वाहन में घुस गई। हादसे में चालक समेत चार युवकों की मौत हो गई, जबकि दो युवक घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस तीन की पहचान के प्रयास में जुटी है।उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। गजरौला में हाईवे पर दिल्ली की तरफ जाते समय अज्ञात वाहन में पीछे से वैगनआर कार घुस गई। हादसे में चालक मोहम्मद सलमान (27) समेत चार युवकों की मौत हुई है। जबकि दो युवक घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सलमान रामपुर के पंखेवालान गेट बमनपुरी का रहने वाला था। तीन मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। रामपुर के पंखेवालान गेट बमनपुरी निवासी तनवीर ने पुलिस को बताया कि उनके भाई मोहम्मद सलमान टैक्सी में वैगनआर कार चलाते थे। दूसरे प्रदेश के पांच युवक रामपुर में दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन रामपुर में उनकी ट्रेन छूट गई। इस कारण बुधवार सुबह वैगनआर में सवार हो गए। उनको सलमान दिल्ली छोड़ने जा रहे थे। करीब 4 बजे उनकी वैगनआर कार ख्यालीपुर ढाल से लगभग 200 मीटर आगे पहुंची थी। बताया जा रहा है कि यहां पर आगे चल रहे अज्ञात वाहन में कार घुस जाने से कार चालक मोहम्मद सलमान समेत चार युवकों की मौत हो गई। कार में सवार हसनैन व समेतुल इस्लाम घायल हो गए। हादसे की सूचना पाकर यूपी-112 के पुलिस कर्मी पहुंच गए। उन्होंने घायलों को डिडौली कोतवाली क्षेत्र के चौधरपुर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। चारों के शव सीएचसी में लाए गए। यहां से उनको मोर्चरी पर भिजवा दिया। इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि हादसे में चार युवकों की मौत का मामला सामने आया है। तीन की पहचान नहीं होने के कारण उनके शव मोर्चरी पर रखवाए गए है। उनकी पहचान होने पर ही पता चल सकेगा कि क्या करते थे और कहां जा रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ में लाठीचार्ज के विरोध में वकीलों ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

स्वार। लखनऊ में वकीलों पर हुए पुलिस के लाठीचार्ज के विरोध में स्वार के वकील मंगलवार को मुखर हो गए। उन्होंने न्यायिक कार्य बंद रखते हुए एक दिन की सांकेतिक हड़ताल की और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम अमन देवल को सौंपा।बार एसोसिएशन की आपात बैठक में लाठीचार्ज की कड़ी निंदा करते हुए मांग की गई कि घायल अधिवक्ताओं को उचित मुआवजा दिया जाए। घटना की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। संबंधित थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित किया जाए तथा एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए।इस मौके पर बार वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राशिद अली गौस, सचिव नौशाद आलम, विक्रम सिंह संधू, पंकज जोशी, मोहम्मद जावेद अख्तर, सिराज अहमद, मोहम्मद जुनैद सैफी सहित अनेक वकील उपस्थित रहे।

टांडा बार वेलफेयर एसोसिएशन ने भी भेजा ज्ञापन

टांडा। लखनऊ में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज और बुलडोजर कार्रवाई का बार वेलफेयर एसोसिएशन, टांडा ने विरोध किया। उन्होंने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन की कॉपी एसडीएम को सौंपी। अधिवक्ताओं ने घटना की निंदा करते हुए बुलडोजर कार्रवाई तत्काल बंद करने, तहसील व कचहरी परिसरों में सरकारी खर्च पर अतिरिक्त चेंबर बनाने और लाठीचार्ज की न्यायिक जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। इस अवसर पर सतपाल सिंह चौहान, प्रथी सिंह सैनी, अनिल कुमार भारद्वाज, प्रताप सिंह चौहान, अनुराधा चौहान आदि मौजूद रहे।

डेयरी में पराली की आग से लाखों का नुकसान

मिलक। खमरिया गांव के निकट एक डेयरी में मंगलवार दोपहर पराली की आग से भीषण हादसा हो गया। आग लगने से भूसा, सोलर पैनल, इंजन और कृषि उपकरण जलकर राख हो गए। डेयरी संचालक दिगपाल सिंह ने करीब 12 लाख रुपये के नुकसान की बात कही है।दिगपाल सिंह के अनुसार डेयरी के पीछे खेत में एक किसान ने पराली जलाई थी। तेज हवा के कारण आग डेयरी तक पहुंच गई और भंडार गृह को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए पशुओं को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।सूचना के बाद दमकल वाहन करीब डेढ़ घंटे बाद मौके पर पहुंचा। तब तक ग्रामीणों ने करीब 90 फीसदी आग पर काबू पा लिया था।

पीड़ित ने प्रशासन को प्रार्थना पत्र देकर नुकसान का आकलन कराने, मुआवजा दिलाने और पराली जलाने वाले किसान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने खेतों में आग लगाने पर सख्ती बरतने की मांग भी उठाई है।

बोलेरो से टकराई चारधाम यात्रियों की ट्रैवलर, एक की मौत

रामपुर। लखनऊ-दिल्ली बाईपास पर चारधाम यात्रियों से भरी ट्रैवलर बोलेरो के अचानक ब्रेक लगाने से उससे जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो पलट गई। हादसे में बोलेरो चालक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रैवलर में सवार 16 यात्री भी घायल हुए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन तीन घायलों को हायर सेंटर ले गए। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है।कानपुर से 14 लोगों का जत्था ट्रैवलर से चारधाम यात्रा के लिए निकला था। वाहन में चालक और परिचालक समेत कुल 16 लोग सवार थे। मंगलवार तड़के करीब ढाई बजे ट्रैवलर लखनऊ-दिल्ली बाईपास पर अजीतपुर के पास पहुंची।पुलिस के अनुसार, बोलेरो चालक को मोड़ पर मुड़ना था लेकिन आगे निकल जाने पर उसने अचानक ब्रेक लगा दिए। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही ट्रैवलर बोलेरो से टकरा गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों में फंसे घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

सूर्यदेव की तेजी से तपने लगा तन...पारा 40 होगा तो और बढ़ेगी तपन

हर दिन सूरज की तपिश बढ़ने से सूरज की तपिश से तापमान और चढ़ रहा है। जो इसी सप्ताह 20 मई को 40 डिग्री सेल्सियस के पार हो जाएगा। मौसम की तल्खी से न दिन को चैन और न रात को सकून मिल रहा है।मई की शुरुआत में तापमान बढ़ने पर बीच बीच में मौसम का मिजाज अचानक बिगड़ने से कभी आंधी-बारिश आई तो कभी छिटपुट बारिश ने सूरज की गर्मी पर ब्रेक लगाया। बीच में कुछ दिन मौसम खुशगवार रहा। लेकिन अब सूरज का सितम बढ़ रहा है। हर दिन तेज चिलचिलाती धूप और गर्मी लोगों का पसीना निकाल रही है। सोमवार को भी सुबह से ही गर्मी से लोग बेचैन हुए। दोपहर में सूरज की किरणें मानों झुलसाने पर आमादा रहीं। दोपहर में दो बजे तक गर्मी चरम पर पहुंचा।अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस रहा। पंखा, कूलर बेमतलब साबित होने से एयर कंडीशनर की विकल्प रह गया। दोपहर में भीषण गर्मी से लोगों के हलक सूख गए। राहत के लिए खीरा, तरबूज का सेवन करने के साथ ही लोगों ने गन्ने का जूस, शिकंजी, कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन किया। 20 मई को तापमान बढ़कर 40 डिग्री के पार होने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जिलाधिकारी के निर्देश पर जनसामान्य से भीषण गर्मी में सावधानी बरतने और तहसीलों और नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों से सार्वजनिक स्थानों पर शेड आदि का इंतजाम कराने के साथ ही स्वच्छ पेयजल के लिए प्याऊ और वाटर कूलर आदि लगवाने के लिए कहा है। वहीं भीषण गर्मी में दोपहर में जाम में स्कूली वाहनों व बच्चों को फंसने पर जोखिम से बचने के लिए जिलाधिकारी ने सिविल लाइंस और कांठ रोड के स्कूलों के खुलने बंद होने के समय में 15-30 मिनट का अंतर रखने का आदेश कर हर स्कूल की अलग अलग टाइमिंग जारी कर दी है। 23 मई तक का अनुमानित तापमान तारीख अधिकतम तापमान न्यूनतम तापमान 19 मई 39 डिग्री सेल्सियस 28 डिग्री सेल्सियस 20 मई 40 डिग्री सेल्सियस 28 डिग्री सेल्सियस 21 मई. 40 डिग्री सेल्सियस 29 डिग्री सेल्सियस 22 मई 40 डिग्री सेल्सियस 29 डिग्री सेल्सियस 23 मई 41 डिग्री सेल्सियस 29 डिग्री सेल्सियस

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

रैंकिंग सुधारने को डीएम का बड़ा एक्शन! विकास विभाग की सीएम डैशबोर्ड समीक्षा में अफसरों को सख्त निर्देश

√ काम में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, गुणवत्ता और समयबद्धता पर डीएम का फोकस

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विकास विभाग की सीएम डैशबोर्ड समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की रैंकिंग सुधारने और विकास कार्यों में तेजी लाने को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए।डीएम ने कहा कि पिछले माह 6 इंडीकेटर्स की वजह से जनपद की रैंकिंग प्रभावित हुई थी। ऐसे में संबंधित विभाग विशेष ध्यान देते हुए प्रगति बनाए रखें और रैंकिंग सुधारने के लिए गंभीरता से कार्य करें।

बैठक में पीएम सूर्य घर योजना, अल्पसंख्यक विभाग, विद्युत विभाग, उद्यान विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, जननी सुरक्षा योजना और कृषि विभाग समेत कई विभागों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने कार्यों की अद्यतन स्थिति समय से पोर्टल पर अपलोड करें, ताकि शासन स्तर पर सही प्रगति दिखाई दे सके।

डीएम ने सिंचाई विभाग के सभी 9 डिविजनों और दिव्यांग कल्याण विभाग के निर्माण कार्यों की अलग से समीक्षा बैठक बुलाने के निर्देश भी दिए। साथ ही सीएमआईएस पोर्टल से जुड़े निर्माण कार्यों की भी समीक्षा करते हुए विधि विज्ञान प्रयोगशाला, ड्रग वेयर हाउस, पर्यटन विभाग की 4 परियोजनाएं, रोडवेज बस स्टैंड निर्माण और बेसिक शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों को गुणवत्ता और तय समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, जिला समन्वय एनआरएलएम, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी समेत कई जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

40 महीने का इंतजार खत्म शिक्षा प्रेरकों के खातों में जल्द पहुंचेगा बकाया मानदेय

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / सरकार ने खोला खजाना, लोक शिक्षा केंद्रों के हजारों प्रेरकों को मिली बड़ी राहत बरेली। जिले भर के लोक शिक्षा केंद्रों पर तैनात रहे हजारों शिक्षा प्रेरकों के लिए राहत भरी बड़ी खबर सामने आई है। वर्षों से अपने बकाया मानदेय के लिए संघर्ष कर रहे प्रेरकों को अब जल्द ही 40 महीने का रुका हुआ मानदेय मिलने जा रहा है। शासन स्तर पर बजट को हरी झंडी मिलने के बाद विभाग ने भुगतान प्रक्रिया की तैयारियां तेज कर दी हैं, जिससे शिक्षा प्रेरकों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

साक्षरता भारत मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में संचालित लोक शिक्षा केंद्रों पर कार्यरत प्रेरक लंबे समय से आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। मानदेय न मिलने के कारण हजारों परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों का संकट खड़ा हो गया था। अपने हक की लड़ाई के लिए प्रेरकों ने ब्लॉक से लेकर राजधानी तक कई बार धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपे, जिसके बाद अब उनकी मेहनत रंग लाती दिखाई दे रही है।

सूत्रों के अनुसार शासन ने बकाया मानदेय के बजट को मंजूरी दे दी है। विभाग की ओर से सभी जिला लोक शिक्षा समितियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि शिक्षा प्रेरकों के दस्तावेज और बैंक खातों का दोबारा सत्यापन कराया जाए, ताकि भुगतान में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा न आए। बताया जा रहा है कि 40 महीने का पूरा मानदेय एक साथ सीधे प्रेरकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजा जाएगा।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल उन्हीं प्रेरकों को भुगतान मिलेगा जिनका रिकॉर्ड विभागीय पोर्टल पर सही और सत्यापित पाया जाएगा। ऐसे में सभी शिक्षा प्रेरकों से अपील की गई है कि वे जल्द से जल्द अपने ब्लॉक या जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचकर दस्तावेज और बैंक विवरण की जांच अवश्य करवा लें।

इस फैसले के बाद शिक्षा प्रेरक संघ के पदाधिकारियों ने सरकार का आभार जताया है। हालांकि प्रेरकों का कहना है कि यह लड़ाई अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उनका कहना है कि सरकार साक्षरता अभियान को दोबारा शुरू कर उन्हें पुनः रोजगार का अवसर दे या अन्य विभागों में समायोजित करे, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।

भीषण गर्मी, हीटवेवऔर लू से बचाव के लिए जिलाधिकारी की विशेष अपील

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत् जनपद में 20 मई 2026 को दर्ज किया गया 42 डिग्री सेल्सियस का तापमान केवल एक आँकड़ा नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन और स्वास्थ्य के लिए गंभीर चेतावनी है। इतनी भीषण गर्मी और लू की संभावना आने वाले दिनों में भी बनी रहेगी। इस परिस्थिति में हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह स्वयं, अपने परिवार और अपने आस-पड़ोस के लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरते। तेज़ धूप और लू से बचाव के लिए सबसे पहला कदम है कि हम दिन के समय, विशेषकर दोपहर में, अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें। यदि बाहर जाना ही पड़े तो सिर को ढककर ही जाएँ। इसके लिए, गमछा, टोपी या छाता का प्रयोग करें। यह केवल एक साधारण उपाय नहीं है, बल्कि जीवन रक्षक ढाल है। सिर पर कपड़ा या टोपी रखने से धूप का सीधा असर कम होता है और शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। गर्मी के मौसम में शरीर को हाइड्रेटेड रखना बेहद ज़रूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। केवल प्यास लगने पर ही नहीं, बल्कि नियमित अंतराल पर पानी पीना चाहिए। नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी जैसे प्राकृतिक पेय भी शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं। याद रखें कि पसीने के साथ शरीर से नमक और मिनरल्स भी बाहर निकलते हैं, इसलिए हल्के नमक वाला पानी या इलेक्ट्रोलाइट का सेवन भी लाभकारी है। ी इस मौसम में अहम है। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। गहरे रंग और सिंथेटिक कपड़े शरीर में गर्मी को रोकते हैं और पसीना सोखते नहीं, जिससे असुविधा बढ़ती है। सूती कपड़े हवा को आसानी से पार होने देते हैं और शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। ये वर्ग गर्मी से जल्दी प्रभावित होते हैं। बच्चों को धूप में खेलने से रोकें, बुजुर्गों को दिन में बाहर जाने से बचाएँ और बीमार व्यक्तियों को ठंडी जगह पर आराम करने दें। यदि किसी को चक्कर आना, सिरदर्द, अत्यधिक थकान या उल्टी जैसी समस्या महसूस हो तो तुरंत नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। समय पर इलाज ही जीवन बचा सकता है। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा है कि गर्मी केवल इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी चुनौती है। अपने घरों और आस-पास के क्षेत्रों में पानी की व्यवस्था करें। खुले स्थानों पर पानी के बर्तन रखें ताकि गाय, कुत्ते जैसे पशु और सभी प्रकार के पक्षी भी राहत पा सकें। अपनी छत पर भी पानी के बर्तन रखें ताकि कबूतर, गौरैया, तोता और अन्य पक्षी आसानी से पानी पी सकें।

लेखपाल भर्ती परीक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट

37 परीक्षा केंद्रों पर 19,968 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, 259 पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । आयोजित होने वाली लेखपाल भर्ती परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा परीक्षा ड्यूटी में लगाए गए पुलिसकर्मियों की विशेष ब्रीफिंग कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए।

उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा आयोजित लेखपाल भर्ती परीक्षा जनपद बरेली के 37 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न कराई जाएगी, जिसमें करीब 19 हजार 968 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए 74 उपनिरीक्षक समेत कुल 259 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित ब्रीफिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान पूरी सतर्कता, गंभीरता और निष्पक्षता बनाए रखें।

साथ ही सभी कर्मियों को समय से परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के आसपास यातायात व्यवस्था सुचारू रखने, भीड़ नियंत्रण, महिला अभ्यर्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने के भी निर्देश दिए गए।

बिथरी चैनपुर के भरतौल में बाल विकास विभाग और प्रथम संस्था की शानदार पहल, जुटे सैकड़ों अभिभावक

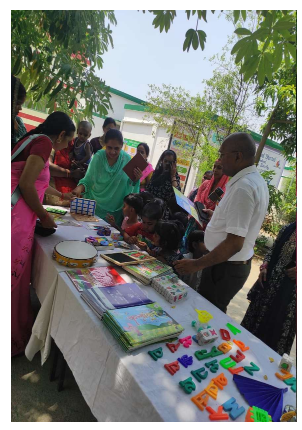

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली।बिथरी चैनपुर विकास खंड के ग्राम भरतौल में बुधवार को बालमन की अनूठी रंगत देखने को मिली। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग और प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के साझा सहयोग से 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए %स्कूल रेडीनेस मेले% का धमाकेदार आयोजन किया गया। इस अनूठे मेले का मकसद गांव के नन्हे-मुन्नों के मन से स्कूल का खौफ निकालना और उन्हें खेल-खेल में अक्षर ज्ञान से जोड़ना रहा।

मेले की शुरुआत मुख्य अतिथि जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार, सीडीपीओ विमला कुमारी, ग्राम प्रधान प्रवेश प्रथम संस्था के जितेंद्र कुमार यादव ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप जलाकर की। मेले में बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास को परखने के लिए कई दिलचस्प स्टॉल सजाए गए थे। गाँव के नन्हे-मुन्नों ने इन स्टॉलों पर ऐसा हुनर दिखाया कि अधिकारी भी गद्गद हो गए। किसी स्टॉल पर बच्चे रंगों और आकृतियों की पहचान कर रहे थे, तो कहीं कागज से खिलौने बनाकर अपनी कलाकारी दिखा रहे थे। बच्चों ने जब अपनी तोतली आवाज में कविताएं सुनाईं, तो पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार ने अभिभावकों को समझाते हुए कहा कि 3 से 6 साल की उम्र बच्चों के दिमाग के विकास के लिए सबसे अहम होती है। वहीं सीडीपीओ विमला कुमारी ने माताओं से अपील की कि वे बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर घर पर ही खेल-खेल में कुछ न कुछ सिखाने की आदत डालें।

इस जमीनी आयोजन को कामयाब बनाने में प्रथम संस्था के जितेंद्र कुमार यादव, आंगनबाड़ी कार्यकत्री शोभा, डॉ. देवेंद्र गंगवार, शैलजा त्रिपाठी, आनंद कुमार, प्रिया भारतीय, पूजा पाल, आशा विशिष्ट हरजीत सिंह और शिवानी जौहरी का विशेष योगदान रहा। मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण और अभिभावक अपने बच्चों का हौसला बढ़ते देख बेहद खुश नजर आए।

जनप्रतिनिधियों , जिलाधिकारी एवं सामाजिक संस्था आदि ने गोमती के पुनरूद्धार हेतु किया श्रमदान

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / जिला प्रशासन एवं नेकी की दीवार सामाजिक संस्था पूरनपुर के सहयोग से गोमती गुरूद्वारा पर माँ गोमती सेवा यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गोमती नदी के पुनरूद्धार एवं नदी को स्वच्छ बनाना तथा आमजन को इस कार्य हेतु जागरूक करना है। उक्त अभियान का शुभारम्भ विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानंद, मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरूभाग सिंह एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सतीश कुमार मिश्रा, खण्ड विकास अधिकारी हेमन्त कुमार यादव द्वारा गोमती गुरूद्वारा पर अरदास के साथ किया गया। गोमती नदी की अविरल धारा के प्रवाह हेतु नदी की साफ सफाई का कार्य जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी, नेकी की दीवार सामाजिक संस्था के अध्यक्ष/सदस्यगण, अधिकारियों/कर्मचारियों, स्कूली बच्चों एवं जनसामान्य द्वारा श्रमदान कर किया गया। जिलाधिकारी ने सभी को सम्बोधित करते हुये कहा कि गोमती नदी गंगा नदी से भी प्राचीन है। उन्होंने बताया कि जैसा हरिद्वार का महत्व है उसी तरह गोमती का महत्व होने जा रहा है। नदी हमें पानी देती है जिससे फसलों की सिंचाई होती है जिससे अनाज पैदा होता है। उन्होंने कहा कि हमसब के जीवन में पहाड़ों, नदियों का बहुत महत्व है, हमसबका कर्तव्य है नदियों को बचाऐं और उन्हें स्वच्छ बनाये। उक्त अभियान में स्थानीय नागरिक, युवा व सामाजिक संगठन की सहभागिता सुनिश्चित करे। सेवा भाव के साथ अपना योगदान दें। संस्था के अध्यक्ष ने बताया कि नदी की साफ सफाई का कार्य चरणबद्ध ढ़ंग से किया जायेगा।

क्षेत्रक मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल पीलीभीत द्वारा गोमती का पुनरूद्धार कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में निरीक्षक राजवीर सिंह शेखावत, उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह और अन्य जवानों ने भाग लिया।

इस अवसर पर नेकी की दीवार सामाजिक संस्था के संस्थापक सदस्य सुखदीप सिंह, अमरीक सिंह, बाबा गुरमेल सिंह, धन्ना बाबा जत्तेदार, बाबा सुखदेवसिंह, ग्राम प्रधान जगजीत सिंह, एसएसबी एनसीसी स्काउट एंड गाइड्स, प्रशासनिक अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अग्निवीर भर्ती का बिगुल बजा एडमिट कार्ड जारी, 1 जून से होगी सेना भर्ती परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/ 15 मई से डाउनलोड शुरू, देशभर के 403 सेंटरों पर होगी ऑनलाइन परीक्षा बरेली। भारतीय सेना में शामिल होकर देश सेवा का सपना देखने वाले युवाओं के लिए सुनहरा मौका मिला है। अग्निवीर भर्ती परीक्षा 2026 के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी 15 मई से joinindianarmy.nic.in पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। भारतीय सेना भर्ती बोर्ड की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार ऑनलाइन सीईई परीक्षा 2026 का आयोजन 1 जून से 12 जून 2026 तक किया जाएगा। यह परीक्षा देशभर के 206 शहरों में बनाए गए 403 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा 22 अलग-अलग श्रेणियों में कराई जाएगी। भर्ती बोर्ड ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय रहते अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर लें , और परीक्षा से जुड़े सभी दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। परीक्षा से संबंधित सभी जरूरी जानकारी सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके साथ ही अभ्यर्थियों तक सही और समयबद्ध सूचना पहुंचाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। इसमें जेडआरओ, एआरओ, मीडिया प्रचार विभाग, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, स्थानीय समाचार पत्र और अन्य जनसंचार माध्यमों की मदद ली जाएगी। सेना भर्ती अधिकारियों ने युवाओं को चेतावनी भी दी है कि किसी भी भ्रामक सूचना या फर्जी दावों पर भरोसा न करें और केवल आधिकारिक वेबसाइट एवं सरकारी माध्यमों से मिली जानकारी को ही सही मानें।

सिर्फ सुनवाई नहीं, राहत भी, बरेली छ्रू की मानवीय पहल की शहर से देहात तक तारीफ

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली, 45 डिग्री की झुलसाने वाली गर्मी और लू के बीच बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने फरियादियों के लिए एक अनोखी और संवेदनशील पहल शुरू की है। अब कलेक्ट्रेट अपनी समस्या लेकर आने वाले हर व्यक्ति को सिर्फ प्रशासनिक सुनवाई ही नहीं, बल्कि गर्मी से राहत भी मिलेगी। %फ्रिज में ठंडा पानी, ह्रक्रस् और कोल्ड ड्रिंक तैयार% डीएम अविनाश सिंह के आदेश पर कलेक्ट्रेट परिसर में खास तौर पर फ्रिज लगवाया गया है। इसमें फरियादियों के लिए ठंडा पीने का पानी, बिसलेरी, कोल्ड ड्रिंक और ह्रक्रस् की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही कोल्ड्रिंक्स भी फ्री में दी जा रही है। दूर-दराज के गांवों से घंटों सफर कर आने वाले लोगों को भीषण गर्मी में ये सुविधा किसी राहत से कम नहीं है। %प्रशासन की जिम्मेदारी है छोटी-छोटी सहूलियत देना% डीएम अविनाश सिंह ने कहा कि जनता अपनी समस्या लेकर प्रशासन के पास विश्वास के साथ आती है। हमारी कोशिश है कि हर फरियादी को सम्मान और सहज माहौल मिले। गर्मी में लोगों को थोड़ी भी राहत देना हमारी ड्यूटी है। अगर कोई यहां आकर राहत महसूस करता है तो यही हमारे लिए सबसे बड़ी संतुष्टि है। डीएम की इस पहल की शहर से देहात तक जमकर सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि सरकारी दफ्तरों में अक्सर घंटों इंतजार करना पड़ता है और गर्मी में ये परेशानी दोगुनी हो जाती है। ऐसे में ठंडे पानी और ORS की व्यवस्था डिहाइड्रेशन से बचाव में मदद करेगी। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, गर्मी के कारण हो रही स्वास्थ्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ये कदम उठाया गया है।

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

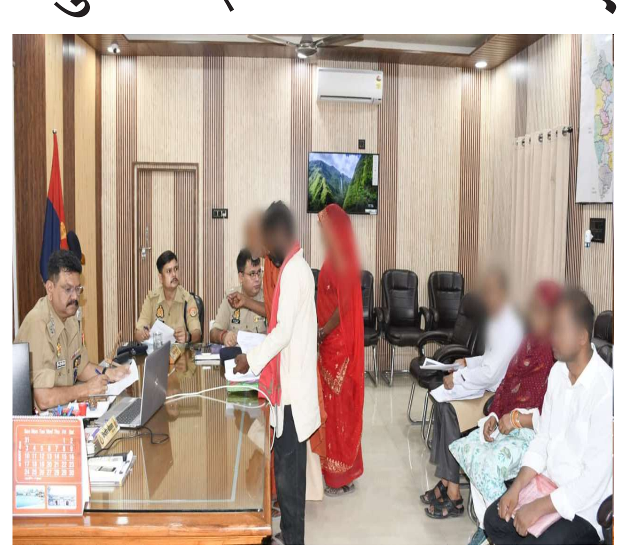

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया । जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय नगर श्री आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी उपस्थित रहे

डीएम व एसएसपी की अध्यक्षता में हुई पीस कमेटी की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच/ आज जिलाधिकारी अवनीश राय ने बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में आगामी गंगा दशहरा पर्व व बकरीद के सम्बंध में आयोजित पीस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जनपद में सभी त्योहार आपसी भाईचारे व सामाजिक सौहार्द के साथ मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि त्यौहार में माहौल खराब करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी न दी जाए। उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि वह छोटी-छोटी घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दें ताकि समय रहते उसका निदान कराया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यवाही से पहले घटना की पुष्टि अवश्य कर ली जाए।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर निरंतर निगरानी की जा रही है, किसी प्रकार की भ्रामक या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली पोस्ट करने वालों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी त्योहार परंपरागत तरीके से मनाया जाए। कोई भी नई परंपरा पड़ने नहीं दी जाएगी। जिलाधिकारी ने आगामी त्योहारों पर साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था आदि के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए व समस्त थानों में भी पीस कमेटी की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार सहित अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

मानक के अनुसार नम्बर प्लेट न लगे पाये जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान की कार्यवाही की गयी

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ - यातायात पुलिस बहराइच द्वारा चार पहिया वाहन FORTUNER के ब्लैक फिल्म लगाकर वाहन संचालन करने तथा मानक के अनुसार नम्बर प्लेट न लगे पाये जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान की कार्यवाही की गयी। श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र, गोण्डा (उ0प्र0) के आदेशों के अनुपालन में जनपद बहराइच में गलत नम्बर प्लेट व ब्लैक फिल्म लगाकर वाहन संचालन करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है । उक्त निर्देशों के क्रम में श्रीमान पुलिस अधीक्षक जनपद बहराइच, श्री विश्वजीत श्रीवास्तव एवं श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, श्री आयुष विक्रम सिंह के निर्देशन में तथा श्रीमान क्षेत्राधिकारी यातायात, श्री राज सिंह के कुशल नेतृत्व में दिनांक 20.05.2026 को प्रभारी निरीक्षक यातायात, श्री राम प्रकाश द्वारा यातायात पुलिस टीम के साथ जनपद के विभिन्न क्षेत्रों, शहर क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया । अभियान के दौरान 01 चार पहिया वाहन (FORTUNER) को ब्लैक फिल्म लगाकर वाहन संचालन करने तथा मानक के अनुसार नम्बर प्लेट न लगे पाये जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान की कार्यवाही की गयी। वाहन पर लगी ब्लैक फिल्म को उतरवाया गया व वाहन चालक को निर्देशित किया गया कि वाहन पर हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगवाकर ही वाहन का संचालन करेगे । यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी । सदैव यातायात नियमों का पालन करें। सुरक्षित चलें, सुरक्षित घर पहुँचे ।

विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों के प्रति किया गया जागरुक

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और मिशन शक्ति के तहत उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक किया गया। निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी दी गई

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

हत्या की घटना कारित करने वाले अभियुक्त को सश्रम आजीवन कारावास व 25,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अभियोगों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान । माननीय न्यायालय पीठासीन अधिकारी सुश्री शैली रॉय (प्रथम अपर जिला सत्र न्यायाधीश) जनपद बहराइच द्वारा घटना कारित करने वाले अभियुक्त को दण्डित किया गया ।

घटना का संक्षिप्त विवरण- वादिनी मुकदमा श्रीमती जाबरुन्निशा द्वारा थाना मोतीपुर पुलिस को सूचना दी गयी कि दिनांक 02.09.2024 को सुबह करीब 10.00 बजे उसे सूचना मिली की पारिवारिक बातों को लेकर उसके पति नईम पुत्र कल्लन ने उसकी लड़की खुशबू उम्र करीब 18 वर्ष को धारदार हथियार से गला काटकर जान से मार दिया

जिसके सम्बन्ध में थाना मोतीपुर में प्राप्त लिखित प्रार्थना पत्र के आधार पर मु0अ0सं0 433/2024 धारा 103(1) बीएनएस, बनाम अभियुक्त नईम उपरोक्त के पंजीकृत किया गया । तत्कालीन विवेचक उ0नि0 योगेन्द्र सिहं यादव द्वारा साक्ष्य संकलन, गवाहों की गवाही व विवेचनात्मक कार्यवाही के उपरान्त अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध आरोप-पत्र दिनांक19.09.2024 को प्रेषित किया गया

तथा माननीय न्यायालय द्वारा आरोप दिनांक 02.01.2025 को विरचित किया गया। दोषसिद्धि का विवरण- श्रीमान् पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम एवं पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में ऑपरेशन कन्विक्शन के अन्तर्गत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा ह

` जिसके क्रम मे उक्त अभियोग मे माननीय न्यायालय/पीठासीन अधिकारी सुश्री शैली रॉय (प्रथम अपर जिला सत्र न्यायाधीश) द्वारा प्रभारी थाना मोतीपुर, मॉनीटरिंग सेल पुलिस कार्यालय बहराइच,ष्ठत्तष्ट श्री प्रमोद कुमार सिंह, कोर्ट मोहर्रिर हे0का0 रविन्द्र कुमार हे0का0 दिनकर यादव तथा थाना पैरोकार का0 सत्यम मिश्रा की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप दिनांक-20.05.2026 को दोषी अभियुक्त मो0 नईम पुत्र शहादत उर्फ कल्लन उपरोक्त को दण्डित किया गया ।

दोषसिद्ध अभियुक्त का विवरण:- 1. मो0 नईम पुत्र शहादत उर्फ कल्लन निवासी निबिया दा0 हंसपुर रायबोझा थाना मोतीपुर बहराइच सजा का विवरण- 1. धारा- 103(1) BNS के अपराध में सश्रम आजीवन कारावास एवं 25,000/- रूपये अर्थदण्ड, अर्थदण्ड न अदा करने की स्थिति में अतिरिक्त 03 माह का कारावास

ताज़ा खबरों के लिए देखे
WWW.KNLSLIVE.COM

संक्षिप्त समाचार

थाना रिसिया से 2 नफर वारण्टी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ विवरण - दिनांक 20.05.2026 को श्रीमान पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के द्वारा दिये गये आदेशों निर्देशों के अनुपालन में अपराध व अपराधियों पर रोकथाम व वारंटी की गिरफ्तारी हेतु श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह व श्रीमान क्षेत्राधिकारी पयागपुर श्रीमती हर्षिता तिवारी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक थाना रिसिया जनपद बहराइच के द्वारा गठित टीम के द्वारा दिनांक 20.05.2026 को ग्राम चन्दापुरवा दा0 बंगलाचक मे समय करीब 08.15 बजे एनबीडब्लू मु0सं0 17640/22 अ0सं0 113/22 धारा 323/504/506 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त 1. राजेन्द्र कुमार पुत्र चौथी पाल 2. हरेन्द्र पाल पुत्र चौथी पाल निवासीगण चन्दापुरवा दा0 बंगलाचक थाना रिसिया जनपद बहराइच को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया तथा विधिक कार्यवाही हेतु मा0 न्यायालय भेजा गया । नाम पता वारण्टी- 1. राजेन्द्र कुमार पुत्र चौथी पाल - 2. हरेन्द्र पाल पुत्र चौथी पाल निवासीगण चन्दापुरवा दा0 बंगलाचक थाना रिसिया जनपद बहराइच गिरफ्तारकर्ता टीम-1.उनि0 श्री दीनानाथ राम 2.का0 अजय यादव 3.का0 राहुल सिंह

नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा फिर तेज, खरगे ने सीएम सिद्धारमैया और शिवकुमार के साथ की बैठक

कर्नाटक में एक बार फिर से नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के साथ बैठक की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से बातचीत की है। यह मुलाकात नेतृत्व के मुद्दे पर नई अटकलों के बीच हुई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, खरगे ने सिद्धारमैया, शिवकुमार और वरिष्ठ नेताओं के साथ तिरुवनंतपुरम से बंगलूरू की यात्रा की। इसके बाद में सोमवार को राज्य के ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज के आवास पर चर्चा की।संघर्ष की खबरें बार-बार सामने आती है दरअसल, सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष की खबरें बार-बार सामने आती रहीं। पिछले साल नवंबर में कांग्रेस सरकार के आधे कार्यकाल पूरे होने के बाद सत्ता-साझाकरण का मुद्दा और भी गंभीर हो गया।किस मुद्दें पर हुई चर्चा?- कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि नेताओं के केरल से लौटने के तुरंत बाद जॉर्ज के आवास पर अनौपचारिक बैठक हुई, जहां वे नई कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान हुई चर्चाएं राज्य में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी अटकलों के इर्द-गिर्द घूमती रहीं। केरल में चर्चा क्यों नहीं हुई- उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के कुछ नेता नेतृत्व के मुद्दे पर हाई कमान से स्पष्टता की मांग कर रहे थे। मधुगिरी के कांग्रेस विधायक केएन राजन्ना ने संकेत दिया कि नेतृत्व के मुद्दे पर एक अनौपचारिक बैठक हुई होगी। राजन्ना ने पत्रकारों से बात करते हुए पूछा, %खरगे, राहुल गांधी, सिद्धारमैया और शिवकुमार केरल में मौजूद थे। फिर वहीं पर चर्चा क्यों नहीं हुई?%राहुल गांधी ने वरिष्ठ नेताओं से प्रतिक्रिया मांगी- पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने इससे पहले राज्य में आंतरिक राजनीतिक समीकरणों के संबंध में जॉर्ज सहित वरिष्ठ नेताओं से प्रतिक्रिया मांगी थी। कांग्रेस सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि कई नेता अब पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल के संक्षिप्त अवकाश से लौटने का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच ऐसी आशंका है कि आने वाले दिनों में दिल्ली में आगे परामर्श हो सकता है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

SBI कर्मचारियों का आंदोलन तेज, 25-26 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल, 22 मई को होगा कैंडल मार्च

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली ,ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन के आह्वान पर भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के कर्मचारी अपनी न्यायोचित एवं लंबित मांगों को लेकर देशव्यापी आंदोलन को लगातार गति दे रहे हैं। इसी क्रम में आगामी 25 एवं 26 मई 2026 को SBI कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रव्यापी पूर्ण हड़ताल आयोजित की जाएगी। कर्मचारियों ने बैंक प्रबंधन के समक्ष अपनी प्रमुख मांगों को दोहराते हुए मैसेंजरों की शीघ्र भर्ती, पर्याप्त संख्या में सशस्त्र गार्डों की नियुक्ति तथा कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि की मांग उठाई। साथ ही, स्थायी कार्यों में लागू आउटसोर्सिंग व्यवस्था को तत्काल समाप्त करने एवं बैंक में वेतन और सेवा शर्तों में समानता (Parity) लागू करने पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त कर्मचारियों ने वर्ष 2019 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए इंटर-सर्कल ट्रांसफर सुविधा, NPS कर्मचारियों को पेंशन फंड मैनेजर बदलने का विकल्प, तथा कैरियर प्रगति योजना (Career Progression Scheme) की समीक्षा एवं आवश्यक संशोधन की मांग भी प्रमुखता से उठाई। सेवानिवृत्त कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर भी संगठन ने आवाज बुलंद करते हुए 10वें द्विपक्षीय समझौते के अंतर्गत 8वें स्टेगनेशन की काल्पनिक वृद्धि, 15 जुलाई 2024 से चिकित्सकीय परामर्श शुल्क लागू करने, मेडिकल रिइम्बर्समेंट स्कीम में सुधार, तथा 7वें द्विपक्षीय समझौते के अंतर्गत पेंशन में सभी वेतन घटकों को शामिल करने की मांग रखी। आंदोलनात्मक कार्यक्रमों के तहत 20 मई 2026 को शाम 4 बजे से 8 बजे तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्ग' (पूर्व ट्विटर) पर एक व्यापक डिजिटल अभियान चलाया गया, जिसमें देशभर के कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संगठन के पोस्टर एवं संदेशों को बड़े स्तर पर साझा कर कर्मचारियों ने अपनी एकजुटता और संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कॉमरेड नवीन्द्र कुमार, उप महामंत्री, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन, बरेली मॉड्यूल ने बताया कि सोशल मीडिया पर चलाया गया अभियान देशभर में दूसरे स्थान पर ट्रेंड कर रहा था तथा इसके और अधिक प्रभावी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से कर्मचारियों की जायज़ मांगों को सरकार एवं बैंक प्रबंधन तक मजबूती से पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने सभी कर्मचारियों, पदाधिकारियों एवं साथियों से संगठन की एकता बनाए रखने तथा आगामी आंदोलन एवं हड़ताल कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया। साथ ही जानकारी दी कि 22 मई की सायं मुख्य शाखा के बाहर कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण कैंडल मार्च / मोमबत्ती प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

मासूम बच्ची के इलाज को लेकर हुआ विवाद / मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर व जूनियर डॉक्टर ने मरीज के परिजनों से / बेरहमी से मारपीट की

मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर बेलगाम / भाजपा नेता के परिवार से मारपीट पर उठे बड़े सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ जनपद जालौन उरई में राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज कराने पहुंचे भाजपा नेता के परिवार के साथ कथित मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है घटना ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था मेडिकल कॉलेज प्रशासन और सरकारी संस्थानों पर नियंत्रण को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं

जानकारी के अनुसार भाजपा के पूर्व जिला कोषाध्यक्ष हरि किशोर गुप्ता के भाई बृज किशोर गुप्ता अपनी बीमार बच्ची को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे थे परिजनों का आरोप है कि बच्ची दर्द से तड़प रही थी लेकिन डॉक्टरों ने पहले पर्चा बनवाने की बात कही

आप को बता दें पीड़ित परिवार का कहना है कि काफी देर इंतजार के बाद जब उन्होंने डॉक्टरों से बच्ची का तत्काल इलाज करने की गुहार लगाई और कहा कि पहले इलाज कर दीजिए पर्चा बाद में बन जाएगा तभी विवाद शुरू हो गया आरोप है कि डॉक्टरों और जूनियर डॉक्टरों ने अभद्रता करते हुए मारपीट शुरू कर दी वहीं परिजनों के मुताबिक विवाद बढ़ने पर बाहर से और लोगों को बुलाया गया तथा बृज किशोर गुप्ता के बेटे के साथ भी बेरहमी से मारपीट की गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं घटना के दौरान बृज किशोर गुप्ता ने उरई सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा को फोन कर मदद मांगी कि इसके बावजूद हालात शांत नहीं हुए और पीड़ित पक्ष के साथ और अधिक अभद्रता की गई वहीं मामला बढ़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन पुलिस की मौजूदगी में भी हंगामा जारी रहा इस दौरान मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी सेवाएं प्रभावित हो गईं और परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया बाद में भारी पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित किया

इसी के मद्देनजर रखते हुए हम आप को बता दें घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने उरई कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने पहुंचकर उसका हालचाल जाना वहीं राजनीतिक और प्रशासनिक सवाल वहीं इस पूरे घटनाक्रम के बाद जिले में कई सवाल उठ रहे हैं यदि सत्ताधारी दल से जुड़े परिवार के साथ सरकारी अस्पताल में ऐसा व्यवहार हो सकता है तो आम जनता को किस स्थिति का सामना करना पड़ता होगा बताया जा रहा है विपक्ष और स्थानीय लोग स्वास्थ्य व्यवस्था की कार्यप्रणाली तथा मेडिकल कॉलेज प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं वहीं अब निगाहें प्रशासनिक कार्यवाही पर टिकी हैं कि आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी या मामला राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रह जाएगा

बड़ा सवाल क्या जालौन मेडिकल कॉलेज में हुई इस घटना पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही होगी या फिर यह मामला भी जांच और आश्वासनों के बीच दबकर रह जाएगा

ग्राम जुझारपुरा में यज्ञ स्थल पर नीतू अवधेश पटेल प्रधान पचीपुरी ने लगवाया वाटर फ्रीजर

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ इस भीषण गर्मी में भक्तों मिलेगा ठंडा शीतल जल विधि विधान से वाटर फ्रीजर का महंत उद्धव दास जी महाराज ने किया उद्घाटन इस अच्छे कार्य को लेकर यज्ञ स्थल पर आये साधु संतों ने सराहना की कोंच(जालौन)। कोंच तहसील के नजदीकी गांव जुझारपुरा में इस समय श्री मद्भागवत कथा 51 कुण्डीय सतचंडी महायज्ञ राम लीला मंचन आदि धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे इसी को ध्यान में रखते हुये इस भीषण गर्मी में यज्ञ में आने जाने वाले भक्तों और अन्य साधु संतों के लिये राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े गांव पचीपुरी के प्रधान नीतू अवधेश पटेल ने यज्ञ स्थल पर अपने निजी खर्चे पर एक वाटर फ्रीजर लगवाने का कार्य किया है आज इस वाटर फ्रीजर का विधि विधान से इस यज्ञ स्थल में पधारे महंत श्री 1008 उद्धव जी महाराज महंत मिहोनी माता मंदिर के कर कमलों से इस का उद्घाटन किया गया

इस वाटर फ्रीजर लग जाने से इस भीषण गर्मी में भक्तों को ठंडा शीतल जल पीने को मिलेगा इस अच्छे कार्य को लेकर अवधेश पटेल की सराहना की जा रही है लोगो ने कहा कि कम से कम इस महायज्ञ में लोगो को ठंडा पानी पीने को तो मिलेगा आज इस गर्मी में पानी की अत्यंत जरूरत है इस अवसर पर इस कथा के परीक्षित विनोद कुमार निरंजन बाबू जी पुनीत पटेल रामू पटेल सिद्धांत पटेल कार्तिक पटेल सहित तमाम लोग मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

एसएसपी ने नये महिला थाना का भूमि पूजन व शिलान्यास किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ एसएसपी सुश्री अंकिता शर्मा द्वारा चित्रांश नगर में नये महिला थाना, बदायूँ के निर्माण हेतु भूमि पूजन कर शिलान्यास किया गया। जनपद में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को और अधिक सुदृढ करने के उद्देश्य से नये महिला थाना के निर्माण का किया गया शुभारम्भ। नये भवन में परामर्श कक्ष, महिला आगन्तुक कक्ष, आधुनिक कम्प्यूटर कक्ष जैसे सुविधायें प्रस्तावित है। इसका मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं को एक ऐसा सुरक्षित और सुगम माहौल प्रदान करना है, जहाँ वे बिना किसी झिझक के अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें। थाना परिसर में महिलाओं और उनके साथ आने वाले बच्चों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर श्री रजनीश कुमार उपाध्याय,प्रतिसार निरीक्षक बदायूं, महिला थाना प्रभारी आदि अधि0/कर्म0गण मौजूद रहे।

01 वारन्टी अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ श्रीमान पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी श्री पवन कुमार के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष श्री त्रिलोकी नाथ मौर्य के नेतृत्व में नेतृत्व में थाना बौंडी पुलिस टीम पुलिस द्वारा वारन्टी विधायक सिंह पुत्र जीवन लाल सिंह निवासी ऊंचगाँव थाना बौण्डी जनपद बहराइच सम्बन्धित मु0सं0 8387/21 अ0सं0 179/20 धारा 452/323/504 भादवि थाना बौण्डी जनपद बहराइच को उसके घर से गिरफ्तार किया गया । तत्पश्चात वारन्टी उपरोक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर मा0 न्यायालय बहराइच रवाना किया गया। गिरफ्तार वारन्टी का नाम व पता- विधायक सिंह पुत्र जीवन लाल सिंह निवासी ऊंचगाँव थाना बौण्डी जनपद बहराइच गिरफ्तारी का स्थान व समय- गिरफ्तारी स्थान -अभियुक्त के घर दिनांक- 20.05.2026 समय- 05.25 बजे गिरफ्तारी टीम- उ0नि0 ब्रम्हदेव पाण्डेय रि0का0 सचिन वर्मा

मेडिकल कॉलेज उरई की घटना पर उबाल, सदर विधायक ने डिप्टी सीएम व डीजीपी से की शिकायत, मुख्यालय उरई में विरोध प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ उरई। मेडिकल कॉलेज उरई में इलाज के दौरान हुए कथित मारपीट के मामले ने अब पूरे जिले में आक्रोश का रूप ले लिया है। अपनी पुत्री का इलाज कराने मेडिकल कॉलेज पहुंचे बृजकिशोर गुप्ता और उनके पुत्र के साथ डॉक्टरों व स्टाफ द्वारा मारपीट किए जाने के आरोप सामने आए हैं। घटना के बाद से ही जनपद में आक्रोश व्याप्त है और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है। साथ ही विधायक ने डीजीपी से भी भेंट कर निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आग्रह किया। उनका कहना था कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी, जिससे आम जनता का सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा।

घटना के विरोध में जिलेभर के व्यापारी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और आम नागरिकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। उरई सहित कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए गए और मेडिकल कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी हुई। प्रदर्शनकारियों ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को मुआवजा और अस्पताल व्यवस्था में सुधार की मांग की है।

फिलहाल प्रशासन द्वारा मामले की जांच की बात कही जा रही है, लेकिन जनदबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। जिले की जनता अब इस प्रकरण में ठोस कार्रवाई और न्याय की प्रतीक्षा कर रही है।

जनहित में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, प्रभारी मंत्री ने विकास योजनाओं और कानून-व्यवस्था की समीक्षा में अधिकारियों को दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ प्रदेश सरकार के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग राज्य मंत्री तथा जनपद के मा0 प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा कानून-व्यवस्था की व्यापक समीक्षा बैठक कर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मा0 प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से पहुँचना सुनिश्चित किया जाए।मा0 प्रभारी मंत्री ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, पोषण, पेंशन और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था का अंतिम उद्देश्य आमजन को राहत देना होना चाहिए। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना को जनआंदोलन के रूप में संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि नगर निकायों में वार्डवार अभियान चलाकर प्रत्येक वार्ड को संतृप्त किया जाए, ताकि अधिकाधिक परिवारों को सौर ऊर्जा योजना का लाभ मिल सके। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया कि किसानों को समय से खाद एवं बीज उपलब्ध कराया जाए तथा खरीद केंद्रों और कृषि केंद्रों पर पेयजल, छाया एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित रहें। इस अवसर पर एमएलसी रमा निरंजन, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, कालपी विधायक के प्रतिनिधि आशुतोष चतुर्वेदी, एमएलसी शिक्षक के प्रतिनिधि मयंक त्रिपाठी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय , मनरेगा रामेंद्र सिंह, बीजेपी जिलाध्यक्षा उर्विजा दीक्षित सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

किसान दिवस में किसानों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर जोर

क्यूँ न लिखूँ सच/ आज उप कृषि निदेशक कार्यालय में बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि, बैंक, सिंचाई, मत्स्य, नलकूप, गन्ना एवं उद्यान विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में उप कृषि निदेशक बदायूं ने सभी कृषकों एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए किसानों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि 30 मई 2026 तक जनपद के सभी किसान अपनी फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करा लें, अन्यथा 01 जून 2026 से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं कृषि तथा सम्बद्ध विभागों की योजनाओं का लाभ मिलना बंद हो सकता है। किसानों को बताया गया कि वे अपनी फार्मर रजिस्ट्री जनसेवा केंद्र, कृषि विभाग के कर्मचारियों, लेखपाल अथवा पंचायत सहायकों के माध्यम से करा सकते हैं।किसान दिवस में किसानो द्वारा खाद एवं बीज की उपलब्धता के संबंध में जानकारी मांगी गई, जिस पर जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जनपद के सभी राजकीय कृषि बीज भंडारों पर धान एवं ढैंचा का बीज उपलब्ध है। किसान बीज की बुकिंग कर चयन होने के उपरांत बीज प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही राजकीय कृषि रक्षा इकाइयों पर रसायन भी उपलब्ध हैं, जिन्हें किसान अनुदान पर प्राप्त कर सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी द्वारा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई।ग्राम बगरैन में बिजली ट्रांसफार्मर फुंकने की समस्या उठाई।इस पर अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण प्रथम ने समस्या का शीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया। किसानों द्वारा समय से बिजली न मिलने के कारण मक्का की फसल की सिंचाई प्रभावित होने की शिकायत भी की गई, जिस पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। किसानों को विद्युत सामग्री समय से उपलब्ध न होने की समस्या रखी। इस पर अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण प्रथम ने जांच कर समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया।उप कृषि निदेशक ने किसान दिवस में उपस्थित सभी अधिकारियों से किसानों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी अधिकारियों एवं किसान बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए किसान दिवस के समापन की घोषणा की।

रिजर्व पुलिस लाइन्स बदायूँ में पुलिस मार्डन स्कूल में समर कैम्प का आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलनेस वेलफेयर के तत्वाधान में एसएसपी सुश्री अंकिता शर्मा की उपस्थिति एवं कुशल निर्देशन में पुलिस मार्डन स्कूल, रिजर्व पुलिस लाइन, बदायूँ में पुलिस परिवार के बच्चों के लिए समर कैम्प का शुभारम्भ किया गया। जिसके अन्तर्गत बच्चों में अनुशासन एवं सामाजिक कौशल, व्यक्तिगत सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने, शैक्षिक, मनोरंजन गतिविधियाँ सिखाये जाने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा हैं।

इस अवसर पर श्री रजनीश कुमार उपाध्याय क्षेत्राधिकारी लाईन/उझानी, श्री इन्द्रजीत सिंह प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन बदायूँ व अन्य अधि0/कर्म0 गण एवं उनके पारिवारिजन उपस्थित रहें।

Hypertension Control: Good news for high blood pressure patients, here's the best diet plan for you

The problem of hypertension is no longer limited to the elderly. Modern lifestyles have rapidly increased its risk among young people as well. Health experts consider the DASH diet to be most beneficial. The DASH diet can help reduce systolic and diastolic blood pressure within a few weeks. High blood pressure is a problem that is increasingly affecting young people. Once considered a disease of old age, people under 30 are now also suffering from it. In a report published in Amar Ujala, we reported that the biggest concern regarding hypertension is that most people are unaware of having it even after suffering from it. Doctors say that dietary irregularities, lack of sleep, junk foods, and high-salt diets are the major causes. Hypertension is called a silent killer because over time, it can affect your kidneys, heart, brain, and eyes. Doctors say that improving diet is essential for controlling high blood pressure. Studies have shown the DASH diet plan to be most beneficial for blood pressure problems. The DASH diet, effective for people with high blood pressure - The DASH diet, or Dietary Approach to Stop Hypertension, has been scientifically proven to be effective for high blood pressure. As the name suggests, it can help control blood pressure. This diet reduces salt intake and emphasizes fruits, vegetables, whole grains, low-fat dairy, nuts, and foods rich in potassium and magnesium. Research has found that this diet can help lower blood pressure within just a few weeks. It is considered helpful not only in blood pressure but also in controlling heart disease, weight, and reducing the risk of diabetes. How does DASH work? The main objective of the DASH diet is to reduce sodium (or salt) in the diet and increase nutrients that help control blood pressure. It prioritizes fruits, vegetables, whole grains, low-fat dairy, beans, nuts, and lean protein. Excessive salt, red meat, sugar, and processed foods are significantly reduced, as these are all considered to increase blood pressure problems. What should be eaten on the DASH diet? The DASH diet focuses on a nutritious and low-salt diet. It recommends eating fruits and green vegetables daily, which are rich in potassium and fiber. Whole grains like oats, brown rice, multigrain bread, and porridge are considered an important part of this diet. Low-fat milk, yogurt, and cheese are good sources of calcium, which can help maintain blood pressure. Lentils, kidney beans, chickpeas, fish, and skinless chicken are considered good options for protein. Almonds, walnuts, and seeds contain healthy fats that may be beneficial for heart health. How does the DASH diet control blood pressure? The DASH diet affects blood pressure by reducing sodium and increasing essential minerals. Excess salt can retain water in the body, increasing pressure on blood vessels. The DASH diet emphasizes reducing salt, which can reduce this pressure. Potassium in the diet helps balance the effects of sodium. Magnesium and calcium are also considered helpful in improving blood vessel function. Diets rich in fiber and antioxidants can help reduce inflammation and improve heart health. It also helps in weight management. Weight loss reduces the risk of high blood pressure.

Health Tips: Too much cold air can cause illness! Learn from experts how much your AC temperature should be.

If you constantly use an AC during the summer, this news will be useful. Here, we'll tell you what temperature you should set your AC at during the summer. Constant use of an air conditioner (AC) during the summer season certainly provides comfort, but it also has a direct impact on our health. Many people, in order to cool down, set the AC to a temperature that is too low, which can cause sudden changes in body temperature and lead to various health problems. According to doctors, the right AC temperature not only provides comfort but also has a positive effect on the immune system. Prolonged exposure to the wrong temperature can disrupt the body's natural heat and coolness balance. Therefore, it's important to use the AC judiciously to provide relief from the heat and avoid adverse health effects. By using the right setting, we can stay healthy and safe during the summer. This article will discuss this with you. First, understand the problems caused by improper AC temperature. Running the AC at too low a temperature can have many negative effects on the body. Constantly exposed to cold air can lead to problems like colds, coughs, and throat infections. Headaches, dry eyes, and muscle stiffness can also be seen. Prolonged exposure to improper temperatures can also impact the body's immunity, increasing the risk of disease. So, what should the AC temperature be? Proper use of an air conditioner is crucial for health. According to experts, a temperature between 24°C and 26°C is considered the safest and most comfortable for the body. The correct AC temperature not only maintains the body's natural temperature balance but also prevents problems caused by extreme cold and sudden temperature changes. Running the AC in this range provides comfort and reduces fatigue. If you live in an AC, keep these things in mind: To protect your health, the AC should be used correctly. It's important to avoid very low temperatures (16–20°C) and avoid direct exposure to AC air. Taking short breaks every 1–2 hours is beneficial. Maintaining a moderate humidity in the room and drinking plenty of water is also essential. Use a timer at night to avoid prolonged exposure to cold air. Regular cleaning and servicing of the AC is also essential to ensure clean and safe air quality.

Healthy Eating: Why are black chickpeas important for health? Consuming them correctly offers many significant benefits.

If you want to stay healthy by eating chickpeas, it's crucial to know the correct method. Here, we'll explain this. Nowadays, people are increasingly health-conscious. Consequently, they prefer to eat foods that are healthy. Among healthy foods, black chickpeas are at the forefront. They are considered extremely beneficial for health. But did you know that eating them correctly is just as important as including them in your diet? Consuming them incorrectly can cause numerous problems. However, when consumed correctly, they provide strength, energy, and abundant nutrition. Many people don't know the correct way to eat black chickpeas, so we'll explain it here. The correct way to eat black chickpeas: Black chickpeas should always be included in the diet in the correct way to ensure complete nutrition. Soaking them in clean water overnight and eating them in the morning makes them easily digestible, ensuring better absorption of nutrients. Furthermore, eating boiled chickpeas with a little salt, lemon, and spices is both tasty and healthy. Eating them on an empty stomach or for breakfast is considered most beneficial. Benefits of Proper Eating: Black chickpeas are considered extremely beneficial for health because they help build strength and stamina. They are rich in protein, which helps strengthen muscles and promote growth. Black chickpeas are also beneficial for those trying to lose weight, as their high fiber content helps control hunger for longer. They strengthen the digestive system and help relieve problems like constipation and indigestion. Furthermore, black chickpeas help control blood sugar, making them beneficial for diabetics. Regular consumption also boosts the body's immunity, strengthening its ability to fight disease. Harms of improper consumption: Consuming black chickpeas improperly can cause a variety of problems. Eating unsoaked chickpeas can lead to gas, heaviness, and indigestion. Consuming them in large quantities can cause bloating and discomfort. Eating chickpeas with a heavy meal at night puts pressure on the digestive system, leading to poor digestion and can also affect sleep. Therefore, they should always be consumed in the right quantity and at the right time to reap the full benefits. Note: This article has been prepared based on information collected from medical reports.

The director of the film "GOAT" met with CM Vijay and gave him a gift reminiscent of his political journey.

Venkat Prabhu, director of the film "The Greatest of All Time," met with CM Vijay and presented him with a special gift. Since actor and politician Thalapathy Vijay became Chief Minister, his close circle has been congratulating him. Many have met him and gifted him special items. In this series, director Venkat Prabhu met with CM Vijay and presented him with a special gift. Venkat Prabhu's gift to the CM: Venkat Prabhu presented the famous number plate "TN07 CM 2026" used on the car driven in the film "The Greatest of All Time" (GOAT). People believe that the film predicted Vijay's political rise. What's in Venkat Prabhu's post? Sharing photos of the meeting on Instagram, Venkat Prabhu wrote, "History has been created. From an idea to a vision to this moment." It was a great pleasure to meet our Honourable Chief Minister Vijay today and present him with a special item from 'The Greatest of All Time'. This is just the beginning." Vijay announces party - The film 'The Greatest of All Time' (2024) was released a few months after Vijay launched his party, 'Tamilaga Vetri Kazhagam' (TVK). At that time, speculation about his political journey was already rife. Vijay becomes Chief Minister - 51-year-old actor-politician Vijay was sworn in as the Chief Minister of Tamil Nadu on May 10. The swearing-in ceremony was held at the Nehru Indoor Stadium in Chennai. When will 'Jana Nayakan' release? Meanwhile, reports are surfacing that the release date for Thalapathy Vijay's last film, 'Jana Nayakan,' has not yet been confirmed. However, it is speculated to release in August 2026.

Audiences not liking 'Pati, Patni Aur Woh Do'? 'Akhiri Sawaal' is in even worse shape! Find out Monday's collection

Both 'Pati, Patni Aur Woh Do' and 'Akhiri Sawaal' were released together. Find out how much these films earned on the fourth day. Ayushmann Khurrana's 'Pati, Patni Aur Woh Do' and Sanjay Dutt's 'Akhiri Sawaal' were released together on May 15th. Today marks four days since the films' release. Find out today's earnings. Box Office Collection of 'Pati, Patni Aur Woh 2' - Ayushmann Khurrana's film 'Pati, Patni Aur Woh 2' had a poor start at the box office. The film earned just ?4 crore on its first day. However, it performed well over the weekend. Today, on Monday, 'Pati, Patni Aur Woh 2' has earned ?1.60 crore as of this writing. With this, the film's total net collection has reached ?19.10 crore. Box Office Collection of 'Akhri Sawaal' - Sanjay Dutt starrer 'Akhri Sawaal' has been performing poorly since its release. The film earned only ?40 lakh on its first day. Even over the weekend, it failed to reach the crore mark. As of this writing, Monday, the film has earned only ?14 lakh. With this, its total net collection has reached ?2.09 crore. Competition with these films - The films 'Pati Patni Aur Woh 2' and 'Akhri Sawaal' are competing with several films at the box office. The South Indian film 'Karuppu' was released alongside these two films on May 15th. Surya's film 'Karuppu' has performed well at the box office, grossing a total of ?76.06 crore since its release. Besides these, Riteish Deshmukh's 'Raja Shivaji' and Akshay Kumar's 'Bhoot Bangla' are also performing well at the box office.

Box Office Collection: Who won between 'Krishnavatharam' and 'Raja Shivaji'? Find out Monday's collection

Theaters are currently streaming a wide range of films, from romantic films to religious ones to action-packed ones. Among these films, 'Krishnavatharam' and 'Raja Shivaji' are also holding their own. Find out how much these films collected on Monday. 'Krishnavatharam Part 1: Hridayam' and 'Raja Shivaji' are also currently playing in theaters. 'Krishnavatharam' was released on May 7th, while 'Raja Shivaji' was released on May 1st. Both films are giving each other a tough competition at the box office. Know how much these two films have collected on Monday. Collection of 'Krishnavatharam' till now 1st day Rs 42 lakh 2nd day Rs 1.15 crore 3rd day Rs 2.25 crore 4th day Rs 3.55 crore 5th day Rs 1.35 crore 6th day Rs 1.85 crore 7th day Rs 1.50 crore 8th day Rs 1.45 crore 1st week (total) Rs 13.52 crore 9th day Rs 1.20 crore 10th day Rs 2.30 crore 11th day Rs 3.20 crore Today, Monday's collection has also been revealed. 12th day collection of 'Krishnavatharam' - Today, Monday, it has been 12 days since the release of the film 'Krishnavatharam'. This film has collected Rs 63 lakh on the 12th day, on the second Monday. 'Krishnavataram' has collected a total of Rs 20.85 crore at the box office so far. Weekly collection of 'Raja Shivaji' - In the first week, Ritesh Deshmukh and Genelia D'Souza starrer 'Raja Shivaji' had earned a total of Rs 52.65 crore. Whereas 'Raja Shivaji' has done a business of Rs 24.30 crore in the second week. Monday collection of 'Raja Shivaji' - It has been 18 days since the release of the film 'Raja Shivaji' on Monday. Today, on the third Monday, 'Raja Shivaji' has earned Rs 89 lakh. This film has collected a total of Rs 85.44 crore at the box office.

Nusrat Bharucha shared special photos on her birthday, penning an emotional note alongside the photo; celebrities commented with congratulations.

Actress Nusrat Bharucha celebrated her birthday yesterday, May 17th. She shared a post on the occasion. Find out what's special in the post. Nusrat Bharucha, of "Sonu Ke Titu Ki Sweety" and "Chhori" fame, celebrated her 41st birthday on May 17th. On this special occasion, she shared some photos with fans. Along with these photos, she also shared an emotional note. Sharing the photo, she wrote an emotional caption: "Nusrat Bharucha's Bollywood journey has been a roller coaster ride. While she has starred in some hit films in her career, some of her films have also flopped. She recently celebrated her 41st birthday. On this occasion, she shared some photos in which she can be seen enjoying time with celebrities. In the photos, actors like Mrunal Thakur, Abhishek Banerjee, Rakul Preet Singh, Jacqueline Fernandez, and Jackky Bhagnani were seen enjoying themselves. Sharing the photo, she wrote, "These photos reflect a girl. I just try to keep that girl the way she is. Happy birthday to me." Celebs' Wishes - Along with fans, many celebrities also wished Nusrat on her birthday. Singer Jonita Gandhi and actor Abhishek Banerjee also commented on the actress's post, wishing her a happy birthday. Her fans also flooded her with birthday wishes. Nusrat Bharucha's Workfront - On the work front, Nusrat Bharucha will soon be seen in several new and interesting projects. She is part of a thriller project with Anurag Kashyap, which is generating considerable buzz. Nusrat will also be seen in the upcoming crime drama film "Ghuskhor Pandit." She will be seen alongside Manoj Bajpayee, Saqib Saleem, and Divya Dutta in the film. She was recently seen in the film "Uff Yeh Siyapaa."